मिरज़ा ग़ालिब का दिल्ली स्थित निवासस्थान

८६. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा मंत्री मेरे तारांकित प्रश्न संख्या २५४ के उत्तर को देखेंगे जो १२ दिसम्बर, १९५५ को यहां दिया गया था और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या क्षेत्रीय सुपरिन्टेन्डेंट ने गली क़ासिम जान, दिल्ली में स्थित स्वर्गीय कवि मिरज़ा ग़ालिब के निवासस्थान का निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट दे दी है; और

(ख) यदि हां तो सरकार ने उस रिपोर्ट पर क्या निर्णय किया है ?

tLMiRZA GHALIB'S RESIDENCE IN DELHI

*86. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to refer to the answer given to my Starred Question No. 254 on the 12th December 1955 and state:

(a) whether the Circle Superintendent has since inspected the house of the late poet Mirza Ghalib in Gali ftasim Jan, Delhi and has submitted his report; and

(b) if so, the decision taken by Government on that report?]

शिक्षा उपमन्त्री (डा० के० एल० श्रीमाली): (क) हां जी ।

(ख) यह प्रश्न कि, निवासस्थान को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया जाय या नहीं, अभी विचाराधीन है ।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI) : (a) Yes, Sir.

(b) The question whether the house should be declared as a monument of national importance or not is still under consideration.]

^English translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : पिछली मर्तबा जब मैंने प्रश्न किया था तो उसके उत्तर में आपने कहा था कि जांच करा रहे हैं और जांच हो चुकने के बाद इस पर निर्णय किया जायगा । उस जांच को कराये कितने दिन हो गए कृपया बतलायेंगे ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी, उसकी तारीख तो मेरे पास नहीं है, लेकिन जांच हो गई है । जो डाइरेक्टर जेनरल आफ आर्कियालोजी हैं उन्होंने अपनी रिपोर्ट भी दे दी है । अब उस रिपोर्ट पर विचार किया जा रहा है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : सन् १९५५ में जो प्रश्न किया गया था सम्भवतः उस के तुरन्त बाद सिलसिले में आपने जांच करायी होगी । उस समय से अब तक इतना ज़माना गुज़र गया। क्या कारण है कि सरकार ने इतने बड़े महत्वपूर्ण प्रश्न के ऊपर विचार नहीं किया जिसके ऊपर कि तमाम जनता का ध्यान लगा हुआ है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : वह प्रश्न ऐसा है कि जिसके साथ दूसरे जो सम्बन्धित मान्यूमेंट्स हैं, उनके प्रश्न भी लगे हुए हैं । उन पर अच्छी तरह से जांच करने के बाद ही गवर्नमेंन्ट फैसला कर सकती है ।

डा० रघुबीर सिंह : क्या हर एक अलग अलग मान्यूमेंट् के ऊपर अलग अलग विचार नहीं होता है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, मौन्यूमेन्ट्स के ऊपर तो विचार होता है लेकिन सरकार के पास इस समय कई और भी इस तरह के मान्यूमेंन्टस की दरख्वास्तें आई हैं । अब उनके ऊपर सरकार को निर्णय करना है कि क्या फैसला करें । तो वह निर्णय अभी किया नहीं है । रिपोर्ट हमारे पास आ गई है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : वे कौन कौन से मान्यूमेंट्स हैं जिनकी वजह से यह प्रश्न रुका पड़ा है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : आपने तो अभी ग़ालिब के बारे में ही पूछा है। दूसरे मान्यूमेंट्स के बारे में नोटिस चाहिए।

श्री नवाब सिंह चौहान : जो यह उत्तर में कहा गया है कि यह प्रश्न इस वजह से रूका हुआ है क्योंकि और जो दूसरे मान्यूमेंट्स हैं उनका भी प्रश्न लगा हुआ है, तो फिर यह बतलाने की कृपा करें कि जिन मान्यूमेंट्स ने इस प्रश्न के अंतिम निर्णय होने में बाधा डाली है वे कौन कौन से हैं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : आप नोटिस देंगे तो मैं उत्तर दे सकूंगा।

श्री रतन लाल किशोरी लाल मालवीय : क्या डाइरेक्टर ने सिफारिश की है कि इसको नेशनल मान्यूमेंट बना दिया जाय ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, डाइरेक्टर की सिफारिश नहीं है।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या मन्त्री महोदय आश्वासन दे सकते हैं कि कब तक अंतिम निर्णय हो जायगा ?

डा० के० एल० श्रीमाली : शीघ्र ही।

DR. D. H. VARIAVA: What is the condition of this house at present and who is using this house?

DR. K. L. SHRIMALI: The condition of the house is very bad. The hon. Member wanted to know who is occupying the house. The southern wing of the house is now occupied by a fuel and charcoal depot, a small Unani dispensary, shop of Bharbhooja, and there is a workshop in the northern wing.

DR. D. H. VARIAVA: Who is the owner of the house at present?

DR. K. L. SHRIMALI: That information could not be given at present.

DR. RAGHUBIR SINH: Is it not likely that the Government will take over this house only when it has collapsed?

(No answer)

DR. R. P. DUBE: Is it not a fact that this house is occupied by se many people now and that you cannot displace them unless you make some other arrangement for them before you take over this house?

DR. K. L. SHRIMALI: As I said, the whole matter is under consideration.

STATUE OF LORD BUDDHA DISCOVERED NEAR OSLO

श्री ह० प्र० सक्सेना : जनाबे सदर, क्या यह मुनासिब नहीं है कि अब १०० वर्ष के करीब हो गया, मरने के बाद तो हम ग़ालिब की रूह को आराम से रहने दें बजाय इसके कि बिला वजह सवालात आम तौर से पब्लिक में उठाये जांय ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, उनकी रूह तो आराम से ही है।

श्री ह० प्र० सक्सेना: आपको यकीन है?

श्री बी० बी० शर्मा : क्या स्वामी दयानन्द के जन्मस्थान के बारे में कुछ विचार हुआ है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इसके लिए मुझे नोटिस चाहिए।

*87. DR. RAGHUBIR SINH: Will the Minister for EDUCATION be pleased to refer to the answer given to Starred Question No. 354 in the House on the 14th March 1956 and state:

(a) whether any further details about the statue of Lord Buddha discovered in ,the Viking plane that lay buried near Oslo (Norway) have since been ascertained;

(b) if so, what are those details; and